

13-09-24

C.W

(Shortcut Method of Mean) माध्य के लघु

② लघु रूढ़ि → लघु रूढ़ि से माध्य  
जानना करने की प्रक्रिया —

① सबसे पहले किसी भी संख्या को कल्पित माध्य (A) मान लिया जाता है।

② कल्पित माध्य से चिन्हों को ध्यान में रखकर पदमूल से हाटा लिया जाता है। कल्पित माध्य से वास्तविक वास्तविक पदों का मुख्य कम होने पर उसके अंतर को कृणात्मक चिन्ह के साथ तथा कल्पित माध्य से वास्तविक पदमूल अधिक होने पर उसका मान धनात्मक चिन्ह के साथ लिख लेते हैं। ये अंतर विचलन कहलाते हैं जिसे " $d_x$ " से सुचित करते हैं।

③ सभी विचलनों का योग " $\sum d_x$ " कर लिया जाता है।

④ विचलनों के योग को पदों की संख्या n से भाग देते हैं। जो शेष आता है उसे हम द्रष्टिकारक (C) कहते हैं। यदि द्रष्टिकारक धनात्मक होता है तो उसे कल्पित माध्य में

13-09-2024

जोड़ दिया जाता है, उनके  
विपरीत अगर वृद्धिकारक गुणात्मक  
होता है तब उसे कल्पित माध्य  
से घटा दिया जाता है, उसे हम  
जो शेष आता है, उसे हम  
माध्य कहते हैं।

Q-1 लाभ प्रति दुकान दुकानों की संख्या महय बिन्दु (x) A=25 (x-A):dx ((x-A)/i)

0-10	12	5	-20	-2
10-20	18	15	-10	-1
20-30	27	25	0	0
30-40	20	35	10	1
40-50	17	45	20	2
50-60	6	55	30	3
	N=100		$\Sigma(x-A)=30$	C=3

$\bar{x} = A + C$   
 $\bar{x} = 25 + 3$   
 $\bar{x} = 28$

Q-2 क्रमांक आय A=140 (x-A):dx

1	132	-8	$\bar{x} = A$
2	140	0	$\bar{x} = 140$
3	144	4	
4	136	-4	
5	148	8	
n=5		C=0	



